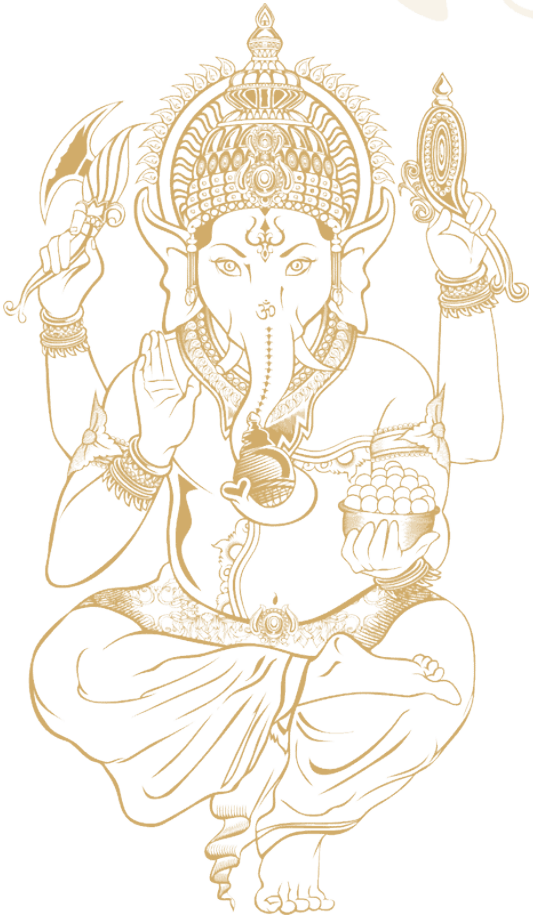

Sh Pradeep ji saraswat

11 Mar 1984

10:30 PM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121860108

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/03/1984**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	39:26:33 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:00:56 घंटे
वेलान्तर	-00:10:02 घंटे
साम्पातिक काल	09:19:05 घंटे
सूर्योदय	06:43:22 घंटे
सूर्यास्त	18:35:11 घंटे
दिनमान	11:51:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:41:01 कुम्भ
लग्न के अंश	19:55:45 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	आयुष्मान
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	19:55:45	309:45:13	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	27:41:01	00:59:53	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	09:17:57	13:34:07	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	01:21:13	00:15:06	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	स्वराशि
बुध		अ	मीन	00:29:34	01:57:39	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	नीच राशि
गुरु			धनु	15:47:12	00:08:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	02:53:38	01:14:02	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		तुला	22:31:50	00:01:38	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	16:30:34	00:00:42	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	16:30:34	00:00:42	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	19:54:47	00:00:21	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:39:30	00:00:44	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	08:07:41	00:01:10	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	23:41:14	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:55

लग्न-चलित

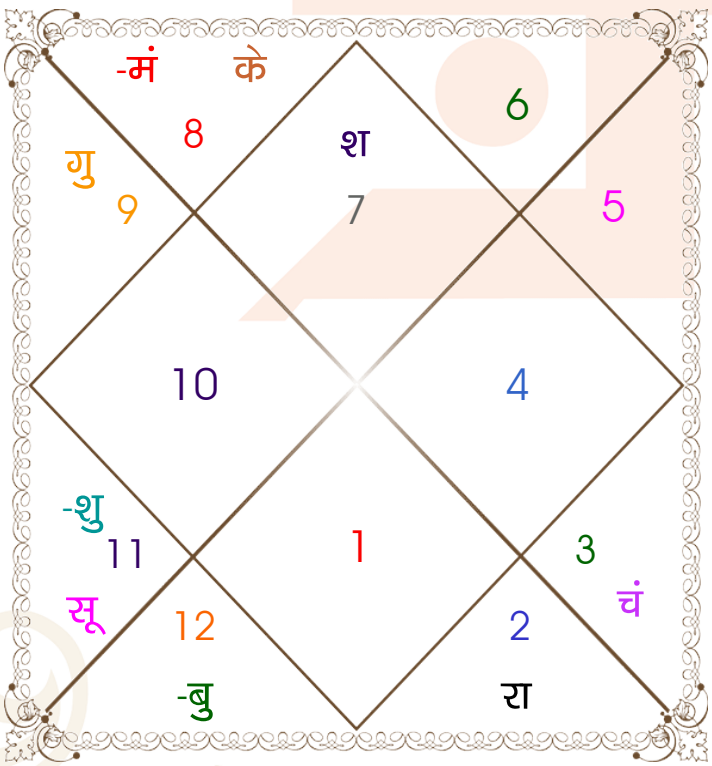

चन्द्र कुंडली

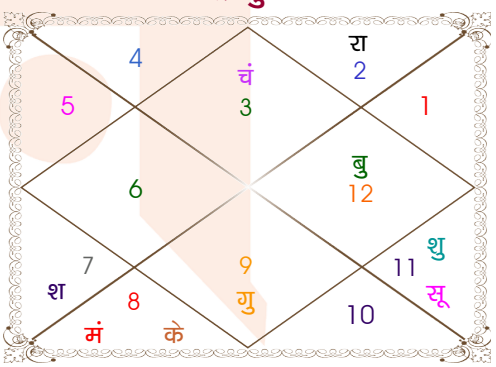

नवमांश कुंडली

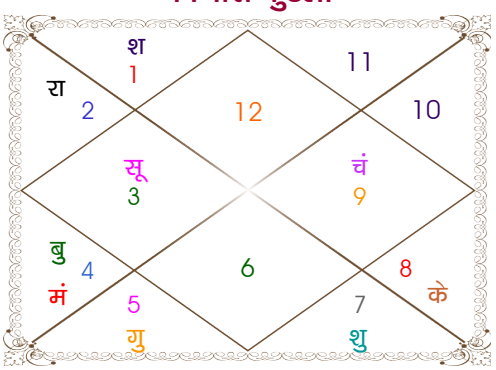

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 5 मास 10 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/03/1984		22/08/1998		22/08/2014		22/08/2033		22/08/2050	
22/08/1998		22/08/2014		22/08/2033		22/08/2050		22/08/2057	
	11/03/1984	गुरु	09/10/2000	शनि	25/08/2017	बुध	18/01/2036	केतु	18/01/2051
गुरु	27/09/1985	शनि	22/04/2003	बुध	04/05/2020	केतु	14/01/2037	शुक्र	19/03/2052
शनि	03/08/1988	बुध	28/07/2005	केतु	13/06/2021	शुक्र	15/11/2039	सूर्य	25/07/2052
बुध	20/02/1991	केतु	04/07/2006	शुक्र	12/08/2024	सूर्य	21/09/2040	चंद्र	23/02/2053
केतु	10/03/1992	शुक्र	04/03/2009	सूर्य	25/07/2025	चंद्र	20/02/2042	मंगल	22/07/2053
शुक्र	11/03/1995	सूर्य	21/12/2009	चंद्र	24/02/2027	मंगल	17/02/2043	राहु	10/08/2054
सूर्य	02/02/1996	चंद्र	22/04/2011	मंगल	03/04/2028	राहु	06/09/2045	गुरु	17/07/2055
चंद्र	03/08/1997	मंगल	28/03/2012	राहु	08/02/2031	गुरु	13/12/2047	शनि	24/08/2056
मंगल	22/08/1998	राहु	22/08/2014	गुरु	22/08/2033	शनि	22/08/2050	बुध	22/08/2057

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/08/2057		22/08/2077		22/08/2083		22/08/2093		22/08/2100	
22/08/2077		22/08/2083		22/08/2093		22/08/2100		00/00/0000	
शुक्र	21/12/2060	सूर्य	09/12/2077	चंद्र	21/06/2084	मंगल	18/01/2094	राहु	06/05/2103
सूर्य	21/12/2061	चंद्र	10/06/2078	मंगल	21/01/2085	राहु	05/02/2095	गुरु	12/03/2104
चंद्र	22/08/2063	मंगल	16/10/2078	राहु	22/07/2086	गुरु	12/01/2096		00/00/0000
मंगल	21/10/2064	राहु	09/09/2079	गुरु	21/11/2087	शनि	20/02/2097		00/00/0000
राहु	22/10/2067	गुरु	28/06/2080	शनि	22/06/2089	बुध	17/02/2098		00/00/0000
गुरु	22/06/2070	शनि	10/06/2081	बुध	21/11/2090	केतु	16/07/2098		00/00/0000
शनि	22/08/2073	बुध	16/04/2082	केतु	22/06/2091	शुक्र	15/09/2099		00/00/0000
बुध	21/06/2076	केतु	22/08/2082	शुक्र	20/02/2093	सूर्य	21/01/2100		00/00/0000
केतु	22/08/2077	शुक्र	22/08/2083	सूर्य	22/08/2093	चंद्र	22/08/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 4 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।